श्री जोतराम आरती

ॐ जय जोतराम हरे, देवा जय जोतराम हरे
दीन दुखी का दुखड़ा पल में बाबा दूर करे – 2 ।। ॐ जय....

परमार्थ करने का मन में दृढ़ निश्चय करे,
भभूता सिद्ध गुरु जी आशा पूरी करे।। ॐ जय....

काया त्याग कर निर्देह होकर जन पर उपकार करे
जो ध्यावे फल पावे पूरी मुराद करे ।। ॐ जय....

कहलाता कलयुग का देवता बाँझो की गोद भरे
देता भभूती की पुड़िया विपदा दूर करे ।। ॐ जय....

साचो का है संगाती पूर्ण काज करे
कपटी जन से हरदम रहता परे ।। ॐ जय....

सेवा पूजा जोतराम जी की जो नित नेम करे
व्यापे नहीं कोई चिंता पुरे भण्डार भरे ।। ॐ जय....

जोतराम जी की आरती जो कोई जन करे
कहे जगदीश उसके बिगड़े काम बने ।।

ॐ जय.... ॐ जय जोतराम हरे, देवा जय जोतराम हरे....

सेवक – नवीन यादव
8285548277